सन्मार्ग

पोर्ट ब्लेयर

सन्मार्ग
14 Jan 2020

एबीवीपी के शैक्षणिक सम्मेलन 'मंथन' में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर हुई चर्चा

पोर्ट ब्लेयर: अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय के सभागार में द्वीपसमूह के शैक्षिक सम्मेलन 'मंथन' का आयोजन किया गया। इस मौके पर एलएचडब्ल्यू के मुख्य अभियंता टी.एन. कृष्णमूर्ति मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारत में विश्व विद्यालयों द्वारा प्रदान की जा रही शिक्षा पर चर्चा की। उन्होंने जोर देकर कहा कि आजादी के 7 दशकों बाद भी हम लघु परिवर्तन के साथ मैकाले की शिक्षा नीति का पालन कर रहे हैं। इससे पूर्व सभी का स्वागत करते हुए सम्माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित एन. के. उदय कुमार ने द्वीपसमूह में केंद्रीय विश्वविद्यालय खोलने के विचार का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि पीआरआई सदस्य द्वीपसमूह युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने प्रस्तावित



एबीवीपी के शैक्षणिक सम्मेलन 'मंथन' में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर हुई चर्चा

डीम्ड विश्वविद्यालय के बारे में अपनी चिंता जताते हुए कहा कि पीआरआई सदस्य द्वीपसमूह के सामान्य लोगों के प्रत्यक्ष प्रतिनिधि होते हैं। डीम्ड विश्वविद्यालय की स्थापना के बारे में किसी भी पीआरआई सदस्य से सलाह नहीं ली गई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के अध्यक्ष डॉ. एस.के. झा ने सम्मेलन आयोजित करने के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सुझाव दिया कि इन द्वीपों में केंद्रीय विश्वविद्यालय की तत्काल आवश्यकता है ताकि छात्र अपने उच्च अध्ययन को जारी रख सकें। उद्घाटन सत्र में अंडमान महाविद्यालय के प्रभारी डॉ. एस. जयकुमार, एबीवीपी के सचिव आर. राजकुमार, [illegible] सहित [illegible] उपस्थित थे। दूसरे सत्र के दौरान डॉ. बीआर अम्बेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान के प्रिंसिपल डॉ. उत्पल शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस दौरान द्वीपसमूह में छात्रों की शैक्षिक गुणवत्ता की आवश्यकता को पूरा करने के लिए केंद्रीय विश्वविद्यालय के विकल्प पर सहमति जताई गई।

सत्र को संबोधित करते हुए प्रोफेसर शीतल सिंह ने प्रशासन द्वारा इतने महत्वपूर्ण निर्णय पर जनप्रतिनिधियों की अनदेखी पर चिंता जताई। प्रोफेसर आर. [illegible] ने कहा कि केंद्रीय विश्वविद्यालय डीम्ड विश्वविद्यालय से बेहतर होगा। उन्होंने द्वीपवासियों की भावनाओं का कद्र करते हुए [illegible] इस मामले का समर्थन करेंगे। इस मौके पर [illegible] ने अपने विचार रखे।